Statement—II

Last five States that are lagging behind in the implementation of 20-Point Programme during 1983-84 to 1987-88

1983-84	1984-85	1985-86	1986-87	1987-88
Tripura (22)	Jammu & Kashmir (22)	Assam (22)	Arunachal Pradesh (24)	Nagaland (25)
Meghalaya (21)	Nagaland (21)	Jammu & Kashmir (21)	Assam (23)	Mizoram (24)
Jammu & Kashmir (20)	West Bengal (20)	Nagaland (20)	Nagaland (22)	Jammu and Kashmir (22)
West Bengal (19)	Meghalaya (19)	Kerala (19)	Jammu & Kashmir (21)	Manipur (22)
Andhra Pradesh (18)	Tripura (18)	West Bengal (18)	Kerala (20)	Assam (21)

NB: —Figures in brackets indicate ranks

Foreign exchange earned by the Indian Rare Earths Ltd.

425. SHRI M. VINCENT: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange earned by the Indian Rare Earths Ltd. at Manavalakurichy in Kanyakumari Distt. during the year 1986, 1987 and 1988; and

(b) whether the time limit and target has been fixed for the completion of the modernisation of techniques at the above works to earn more foreign exchange?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) Foreign exchange earned by Manavalakurichi Unit of I.R.E. during:—

	Rs. lakhs
1985-86	248.9
1986-87	210.1
1987-88	269.0

(b) Following time limits have been fixed:

(i) Modernisation of Dry Mill—April, 1990.

(ii) Setting up of Concentrate Upgrading Plant at Manavala—December 1989, Kuichi.

उत्तर प्रदेश में मस्तिष्क ज्वर से हुई मौतें

426. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बलिया, देवरिया, और अन्य जिलों में मस्तिष्क ज्वर के प्रकोप से बड़े पैमान पर लोगों के मरने की खबर है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस रोग की रोकथाम के लिए केन्द्र द्वारा डाक्टरों का एक दल गोरखपुर भेजा गया था ;

(ग) यदि हां, तो इस घातक महामारी पर काबू पाने के लिये क्या-क्या उपाय किए गए और विगत एक साल में पूर्वी उत्तर प्रदेश के इन जिलों सहित बिहार और दिल्ली में इस महामारी से कितने व्यक्तियों की जानें गयीं और कितने व्यक्ति बचाये जा सके; और

(घ) क्या यह सच है कि इस बीमारी का कोई सफल इलाज उपलब्ध नहीं है और इसकी दवाओं की भी कमी है और यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्यवाही तथा उसके परिणामों का ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) से (घ) बिहार से मैनिन-जाइटिस के किसी प्रकोप की सूचना नहीं मिली है । उत्तर प्रदेश और दिल्ली स 1988 के दौरान सूचित किए गए रोगियों और मौतों की संख्या इस प्रकार है :–

	रोगी	मौतें
उत्तर प्रदेश	164	33
दिल्ली	2332	453

सरकार मैनिनजाइटिस के रोगियों का पता लगाकर और उनका उपयुक्त एन्टी-बायोटिक औषधों जैसे पेंसिलीन/क्लोरेके-फेनिकोल आदि से उपचार करके इस रोग की मानीटरिंग करने तथा इस पर नियंत्रण पाने के लिये उपयुक्त उपाय कर रही है, ताकि इस रोग की मृत्यु दर को कम किया जा सके । स्कूली स्वास्थ्य कार्यक्रम के चिकित्सा अधिकारी भी स्कूली बच्चों में रोगियों का पता लगाने में विशेष सावधानी बरत रहे है । कुष्ट रोगियों के नजदीकी सम्पर्क में रहने वाले व्यक्तियो का डोमोप्राफिलैक्टिक एजेन्ट अर्थात सल्फाडायजीन से उपचार किया जा रहा है । वाहक अवस्था का उन्मूलन करने के लिये रोगवाहकों के लिये एन्टीबायोटिक्स का भी समर्थन किया जाता है । अति सघन और चिकित्सीय रूप से पर्यवेक्षित समुदायों के लिये बड़े पैमाने पर रसायन रोग निरोधन की सिफारिश की जाती है और प्रकोप हो जाने की अवस्था में अधिक खतरे वाले समूहों के लिये नैनीगोकोकल वैक्सीन का टीका लगाने की सलाह दी जाती है ।

कैंसर के रोगियों का उपचार

427. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर के रोगियों को किसी न किसी अवस्था में विकिरण चिकित्सा की आवश्यकता होती है ;

(ख) क्या भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् इस संबंध में 1971 से निरन्तर सिफारिश करती रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त सिफारिशों के बावजूद उत्तर प्रदेश के किसी भी बड़े अस्पताल में या तो विकिरण चिकित्सा उपलब्ध नहीं है या इन अस्पतालों में उपलब्ध विकरण चिकित्सा का पूरी क्षमता का सही उपयोग नहीं किया जा रहा है और न सरकार ने राज्य मे इसके विकास हेतु कोई कार्यवाही की है; और

(घ) यदि उपर्युक्त भाग (ग) का उत्तर हां, है, तो क्या केन्द्रीय सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकार को प्रभावी कार्यवाही करने के निदेश जारी किये है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं ?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) कैंसर रोगियों के रोग की दशा और अवस्था को देखते हुए रेडियोथेरेपी उपचार दिया जाता है ।

(ख) भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् ने संबंधित विभागों में पृथक डिग्रियां/डिप्लोमा प्रदान करने के लिये रेडियो डायगोनेसिस और रेडियोथेरेपी को एक अलग विशेषता निर्धारित किया है ।

(ग) उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित अस्पतालों में रेडियोथेरेपी की सुविधा :–

1. एस.एन. मैडिकल कालेज, अस्पताल आगरा ।